वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 32 | बुधवार 31 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने गांधी दर्शन यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

प्रदेशभर से 45 प्रतिभागी यात्रा में शामिल-महाराष्ट्र के वर्धा में होने वाले शिविर में लेंगे भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास से शांति और अहिंसा विभाग, राजस्थान के तत्वावधान में गांधी दर्शन यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रदेशभर से 45 प्रतिभागी महाराष्ट्र के वर्धा में 1 से 7 जून तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा संगठन के 28वें राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। गहलोत ने प्रतिभागियों को यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल, जल संसाधन मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, शांति एवं अहिंसा विभाग के सचिव नरेश ठकराल एवं निदेशक मनीष कुमार शर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा का किसान पर फोकस

गांव और ढाणी जाकर गहलोत सरकार के खिलाफ तैयार करेगी माहौल

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी प्रदेश में सबसे अहम वोट बैंक 'किसान' को साधने की कोशिश में लग गई है। इसका जिम्मा बीजेपी किसान मोर्चे को सौंपा है। अगले महीने से किसान मोर्चा के पदाधिकारी गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में किसानों के घर-घर जाकर गहलोत सरकार के खिलाफ माहौल तैयार करेंगे। एक ओर जहां किसान मोर्चा के पदाधिकारी इस दौरान गांवों में प्रवास करेंगे तो आने वाले समय में किसानों की आवाज बनने के लिए किसान मोर्चा एक हजार कार्यकर्ताओं टीम तैयार करने की भी तैयारी कर रहा है। बीजेपी ने किसानों को साधने के लिये पहले ही कर्ज माफी को मुद्दा बनाया हुआ है, वहीं अब किसानों के बीच पहुंच सरकार की वादाखिलाफी और केंद्र की योजानाओं के प्रचार प्रसार को लेकर खास रणनीति बनाई है। किसानों से सघन जनसंपर्क के लिए भाजपा किसान मोर्चा ने एक पत्रक यानि पेम्पलेट तैयार किया है। जिसमें किसानों के लिए मोदी सरकार की ओर से किए गए कामों के साथ गहलोत सरकार

की किसानों से की गई वादाखिलाफी का लेखा-जोखा हैं।

कांग्रेस ने 27 माह नहीं दी किसान को राहत

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों को राहत देने का केवल दिखावा करती है। भाजपा सरकार के समय किसानों को 833 रुपए प्रतिमाह बिजली बिल में छूट दी जा रही थी। लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद उसे बंद कर दिया। वहीं 27 माह तक किसानों को किसी भी तरह की राहत नहीं दी। उसके बाद अब कांग्रेस किसानों को 2000 रुपए प्रति यूनिट फ्री में देने का प्रलोभन दे रही है। जबकि 27 माह राहत रोककर कांग्रेस ने प्रति किसान का करीब 23 हजार रुपए का नुकसान किया है।

महिला पदाधिकारी भी करेंगी प्रवास

किसान मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन कुल्हरी गढ़वाल ने बताया कि किसान मोर्चा की महिला पदाधिकारी भी गांव-गांव ढ़ाणी-ढ़ाणी जाकर किसानों को जागरूक करेंगी। उन्होंने बताया कहा कि साढ़े चार साल कांग्रेस ने किसान को हासिए पर रखा है। इस बार विधानसभा चुनावों में किसान कांग्रेस सरकार को आइना दिखाएगा। एक माह तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत पिछले 9 सालों में किसानों के लिए शुरू की गई मोदी सरकार की योजनाओं को भी किसानों को बताया जाएगा।

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा संचालित महिलाओं व बालिकाओं के ''गरिमा प्रोजेक्ट''

मासिक धर्म स्वच्छता व स्वास्थ्य जागरूकता अभियान ''गरिमा'' के पोस्टर का बाबा रामदेव ने किया लोकार्पण। 'झिझक छोड़ो चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो' सम्पूर्ण वर्ष संचालित होने वाला है यह प्रोजेक्ट

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा संचालित महिलाओं व बालिकाओं के ''गरिमा प्रोजेक्ट'' मासिक धर्म स्वच्छता व स्वास्थ्य जागरूकता अभियान की इस वर्ष 28 मई 2023 के लिए मासिक धर्म स्वच्छता दिवस की थीम **"We Are Committed"** रखी गई । अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन तथा महासचिव वीर अशोक गोयल ने बताया कि गत वर्ष हमारी संस्था महावीर इंटरनेशनल द्वारा संचालित गरिमा प्रोजेक्ट द्वारा विगत तीन वर्षों में 800 से अधिक कार्यशालाओं के माध्यम से 3.5 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। सम्पूर्ण देश में संचालित जागरूकता के कार्यक्रम में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए। वंही राजस्थान राज्य में विशेष मुहिम के तहत 170 से अधिक राजस्थान राजकीय बालिका विद्यालयों,कालेज ,ग्रामीण क्षेत्र , बस्तियो आदि में आयोजित किए गए । अंतर्राष्ट्रीय निदेशक डॉक्टर रश्मि श्रीवास्तव ने बताया कि जागरूकता के साथ 80000 निशुल्क सेनेटरी नेपकिन भी संस्था द्वारा इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत वितरित किए गए। महावारी स्वच्छता दिवस जागरूकता मिशन पर विभिन्न भाषाओं में पोस्टर बनाए गए जिनका विमोचन अलग स्थानों पर विशेष महानुभावों ने किया। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ,योग गुरु बाबा राम देव ,सांसद दिया कुमारी , राजस्थान ऊर्जा मंत्री भँवर सिंह भाटी अजमेर कलेक्टर भारती ने कार्यक्रम की प्रशंसा की व पोस्टर का विमोचन कर इस प्रोजेक्ट को उपयोगी बताया। सम्पूर्ण देश में दसों रीजन से 90 से अधिक केंद्रों पर इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्रो द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता पर कार्यशाला व निशुल्क सेनेटरी नेपकिन वितरित किए गए। को निदेशक वीरा अलका तथा वीरा नंदनी के अनुसार इस विशेष मुहिम में 28 मई, 2023 को मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर देश भर में 23000 से अधिक महिलाएँ लाभान्वित हुई।

पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव मे पंडित मधुकांत जोशी का अभिनंदन

पारस जैन पार्श्वमणी. शाबाश इंडिया

उदयपुर। राणा प्रताप मीरा और पन्नाधाय के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा राजस्थान प्रांत की सबसे सुंदर नगरी प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण झीलों की नगरी उदयपुर में सर्व ऋतु विलास दिगंबर जैन मंदिर में एवम उदयपुर सेक्टर 11 स्थित दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में स्वादिष्ट वात्सल्य भोजन की व्यवस्था सर्वश्रेष्ठ देने पर सुप्रसिद्ध पंडित मधुकांत जोशी रतलाम का पंचकल्याणक समिति के पदाधिकारियों द्वारा भाव भीना अभिनंदन कर मेवाड़ी पगड़ी दुपट्टा एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणी पत्रकार कोटा ने अधिक जानकारी देते हुवे बताया कि आप पूरे भारत जगह जगह अनेकानेक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवम विभिन्न धार्मिक विराट अनुष्ठानों आयोजनों में अपनी पूरी टीम के साथ स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था प्रदान कर चुके है। मां अन्नपूर्णा देवी का आपको मंगल आशीर्वाद प्राप्त है नाम में ही मधु है तो व्यवहार में तो मिठास होगी ही।

''झिझक छोड़ो चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो'' गरिमा प्रोजेक्ट के अंतर्गत सेनेटरी नेपकिन वितरित किये

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। महावीर इंटरनेशनल पद्मावती केंद्र अजमेर द्वारा केसरगंज सब्जी मंडी में कामकाजी महिलाओं और जरूरतमंद महिलाओं द्वारा गरिमा प्रोजेक्ट के पोस्टरों का विमोचन किया एवम वहां सब्जीमण्डी में पेम्पलेट व सेनेटरी नेपकिन के वितरण के साथ इन पेम्पलेट व पोस्टर के माध्यम से महीने के महत्वपूर्ण दिनों में शरीर का किस तरह ध्यान रखा जाए , जानकारी दी गई। इस अवसर पर सेनेटरी नेपकिन का वितरण के साथ साथ नेपकिन का उपयोग करना और स्वच्छता के साथ रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका डायरेक्टर निक्की जैन, अध्यक्ष मीना शर्मा,सीमा दूबे और निकिता पंचोली, मोना जैन की रही।

ज्ञान आते ही अज्ञान, मोह का अंधेरा हट जाता है, सुख-शांति की वृद्धि होती है : गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी

सोनागिर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के तत्वावधान में सिद्धक्षेत्र सोनागिर के आतिथ्य में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के ससंघ सान्निध्य में सोनागिर में शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर चल रहा है, जिसमें वरिष्ठ विद्वान विविध विषयों का प्रशिक्षण दे रहे हैं, बड़ी संख्या में विद्वान सम्मिलित होकर लाभ ले रहे हैं। शास्त्रि परिषद के प्रचार मंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में आज प्रातः भगवान चंद्रप्रभ के प्रांगण में आर्यिका लक्ष्मी भूषण माताजी के द्वारा ध्यान कराया गया। तत्पश्चात प्रातः कालीन सत्र में परिषद के महामंत्री ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत टीकमगढ़ द्वारा अक्षर विन्यास अक्षर, बीजाक्षर, पिंडाक्षर का विशद विवेचन किया गया। इस मौके पर आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने कहा कि ज्ञान के माध्यम से जीवन के उत्थान, सदाचरण, बुराई से बचाव, अज्ञान, मोह का अंधेरा हटाकर, सुख शांति की वृद्धि करते हुए, मोक्षमार्ग की क्षमता पात्रता एवं योग्यता का हेतु बताया। ज्ञान आते ही दृष्टिकोण बदल जाता है, क्षमता बढ़ जाती है,जीने का लक्ष्य एवं उसकी दिशा बदल जाती है। दोपहर कालीन सत्र में ब्रह्मचारी जय निशांत भैया जी ने अक्षरों का विन्यास बताते हुए कहा मंत्र का प्रयोग चार प्रकार से कर सकते हैं ,1. बैखरी, 2. उपांशु , 3 . पश्य, 4 . परा । तदनुसार णमोकार मंत्र के उच्चारण एवं ध्यान से प्राणायाम विधि द्वारा प्रयोग करने पर शरीर की आंतरिक शुद्धि के साथ पांच इंद्री एवं बलों को पुष्ट किया जाता है, जिससे हमारी शारीरिक क्षमता के साथ आध्यात्मिक एवं दार्शनिक योग्यता का भी लक्ष्य निश्चित होता है। परिषद के यशस्वी अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जी बड़ौत ने तत्वार्थ सूत्र माध्यम से आज समिति, गुप्ति एवं 10 धर्म का विशद विवेचन किया। जिसके माध्यम से मुनि धर्म की उत्कृष्टता होती है। समापन सत्र में मुनि श्री मंगल आनंद महाराज ने कहा वर्तमान परिवेश प्रदर्शन का है। प्रदर्शन की प्रवृत्ति से संवर ,निर्जरा के साथ मोक्षमार्ग भी दूर होता जा रहा है। आज त्याग धर्म भी प्रदर्शन का हेतु बन गया है। मनुष्य का आहार त्याग भी आडंबर का कारण बन गया है। विडंबना है हम निर्ग्रंथ, दिगंबर, त्यागी, अपरग्रही संत हैं फिर भी समाज का लाखों का खर्च हो रहा है। क्यों! क्या यह आगम मार्ग है? समाज को विद्वानों को एवं श्रमणों को इस पर विचार करना चाहिए । जब तक हमारा कथनी करनी का भेद नहीं मिटेगा, तब तक हमारा मोक्ष मार्ग प्रशस्त नहीं है। आज के सत्र में मुरैना गुरुकुल से 26 छात्र शिक्षण हेतु उपस्थित हुए। वरिष्ठ विद्वानों में डॉक्टर टीकमचंद जी दिल्ली, दिनेश कुमार जी भिलाई, जय कुमार जी दुर्ग आदि विद्वानों का आगमन हुआ। विद्वानों की समस्त व्यवस्था सोमचंद्र मेनवार,चंद प्रकाश चंदर तत्पता से संभाल रहे हैं।

मा.चिरायु जैन को यू एस ए में बेस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट की उपाधि से नवाजा गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहर के जाने-माने प्रसिद्ध समाजसेवी उत्तम कुमार -श्रीमती सरोज देवी पांड्या खोरा वाले मालवीय नगर जयपुर निवासी के पौत्र तथा तपेश जैन के पुत्र मा. चिरायु जैन ने यूएसए में कंप्यूटर साइंस में ग्रैजुएट डिग्री प्राप्त कर पूरे परिवार का संपूर्ण समाज में ही नहीं वरन पूरे भारतवर्ष में नाम रोशन किया है ।मा.चिरायु जैन को यूएसए की टैक्सास क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी ने संपूर्ण यूनिवर्सिटी में बेस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट के अवार्ड से सम्मानित किया है । उल्लेखनीय है कि चिरायु जैन ने अपने दादाजी उत्तम कुमार -दादाजी श्रीमती सरोज देवी पांड्या एवं मम्मी पापा की प्रेरणा एवं साधु संतों के आशीर्वाद से उक्त मुकाम पर पहुंच कर सफलता हासिल की है। चिरायु जैन ने चार साल के कोर्स में पूरी यूनिवर्सिटी में बेस्ट स्टूडेंट का अवार्ड प्राप्त किया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने पांड्या परिवार को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

Texas Christian University
has conferred upon
Chirayu Jain
the degree of
Bachelor of Science
together with all the honors and responsibilities pertaining thereto.
Awarded by the Board of Trustees
upon the recommendation of the faculty.
May 13, 2023, Fort Worth, Texas
Summa Cum Laude

वेद ज्ञान

चंचल-मन

बूरे व्यसनों को त्यागना ही विसर्जन है। काम, क्रोध, लोभ, मोह आादि विकार हैं और जब हम इनका त्याग करते हैं तो यही विसर्जन है। साथ ही जहां खुद का ध्यान न रहे यानी इस आत्मतत्व को जब हम उस परमतत्व में विलीन कर देते हैं तो हम स्वयं का विर्सजन करते हैं। कोई भी मनुष्य न तो संपूर्णतः अच्छा है और न ही कोई सौ फीसद खराब। प्रत्येक मनुष्य में अच्छी और खराब दोनों आदतों का समावेश होता है, लेकिन प्रत्येक मनुष्य के जीवन का ध्येय यही होना चाहिए कि वह विकारों से दूर रहे। हमें हमेशा खराब आचरण को दूर करके सदाचरण को अपनाना चाहिए। बहुत से लोग नए साल में या किसी अन्य विशेष दिवस पर प्रण करते हैं कि वे अपनी समस्त खराब आदतें त्याग देंगे, लेकिन उनका प्रण दो-चार दिन में ही टूट जाता है। इसका कारण उनका मन है जिसे वे साध नहीं पाते और यही मन उन्हें विचलित कर देता है। इसके लिए अपनी इच्छाशक्ति भी दृढ़ करनी चाहिए। उसे मन से दृढ़तापूर्वक यह मानना चाहिए कि निश्चित तौर पर खराब आदतें दूर हो सकती हैं। खराब आदतें मनुष्य का चरित्र नहीं, बल्कि उसका स्वभाव है और वह इससे छुटकारा पा सकता है। विसर्जन का मतलब यही है कि ब्रह्मांड से हम आत्मतत्व के रूप में आए और फिर उसी में विलीन हो गए। कबीरदास जी से किसी ने पूछा कि यह आत्मा क्या है और मनुष्य के मरने के बाद यह कहां चली जाती है? कबीरदास जी ने कहा कि जैसे घड़े में आप पानी रखिए और उसे तालाब में रख दीजिए तो घड़े और तालाब का पानी अलग-अलग होगा, लेकिन जैसे ही घड़ा फूटता है वैसे ही भीतर का पानी तालाब में मिल जाता है। इसी तरह हमारा शरीर भी एक घड़ा है। आत्मा इसके अंदर जल के समान है। जैसे ही यह शरीर से निकलती है तो वह सागर रूपी ब्रह्मांड में मिल जाती है। मनुष्य को सोचना चाहिए कि जो कुछ भी दुनिया में चल रहा है यह सब प्रभु की संरचना है और इसमें हम मात्र एक खिलौने हैं। हम केवल अपना रोल निभाने आए हैं और अपने हिस्से का अभिनय करके चले जाएंगे। जब आपको हमेशा इस बात का ज्ञान और आभास रहता है कि इस दुनिया में जो कुछ भी है वह एक धोखा है और इसमें कुछ भी शाश्वत नहीं है तथा सभी कुछ अस्थाई है तभी मनुष्य स्वयं को विसर्जित कर पाता है।

संपादकीय

नाहक दूरी बरतने का रास्ता लोकतांत्रिक नहीं

जनतंत्र में विपक्षी दलों की भूमिका इसलिए अहम मानी जाती है कि अगर सरकार कोई नीति बनाती, कोई फैसला करती है, तो वे उसमें देश के नागरिकों के हर हिस्से का हित सुनिश्चित करा सकते हैं। इस तरह अपने प्रतिनिधियों के जरिए लोगों को शासन के ढांचे में हिस्सेदारी मिलती है। कायदे से होना यह चाहिए कि सरकार अगर किसी मसले पर कोई नीति बनाना चाहती है, तो उसमें विपक्षी दल भी भागीदारी करें और किसी फैसले, योजना या कार्यक्रम को ज्यादा से ज्यादा समावेशी और लोकतांत्रिक स्वरूप देने में अपनी भूमिका निभाएं। मगर हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि विपक्षी दलों को अगर किसी मुद्दे या सरकार की पहलकदमी से सहमति नहीं होती है तो उनके विरोध का तरीका अकेला दूरी बनाना या बहिष्कार होता है। जबकि अगर सरकार या किसी महकमे की ओर से बुलाई गई बैठक में सभी दलों के प्रतिनिधि हिस्सा लें तो किसी नीतिगत फैसले या नई योजना में अलग-अलग पक्षों के विचार

शामिल किए जा सकते हैं और इस तरह उसके लाभ का दायरा और बड़ा हो सकता है। सवाल है कि अमूमन हर मसले पर किसी बैठक से दूर रहने का रवैया अपना कर विपक्षी दल जनता का कितना भला कर पा रहे हैं! दरअसल, दिल्ली में शनिवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की आठवीं बैठक बुलाई गई थी। इसमें शामिल होकर निर्धारित मुद्दों पर अपना पक्ष रखने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपालों को बुलाया गया था। मगर इस बैठक में विभिन्न कारणों से ग्यारह राज्यों के मुख्यमंत्री नहीं आए। जिन राज्यों ने बैठक में भागीदारी नहीं की, एक को छोड़ कर वहां अलग-अलग विपक्षी दलों की सरकारें हैं। संभव है कि राजनीतिक मोर्चे पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी या उसकी कार्यशैली से इन पार्टियों का विरोध हो। पर सवाल है कि नीति आयोग में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई, क्या उसका सरोकार आम जनता से नहीं था! गौरतलब है कि नीति आयोग की बैठक में कई अहम विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें देश को 2047 तक विकसित बनाने, बुनियादी ढांचा और निवेश, अनुपालन का बोझ कम करना, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और पोषण, कौशल विकास, क्षेत्र के विकास और सामाजिक बुनियादी ढांचे के लिए गति शक्ति जैसे कई मुद्दे शामिल हैं। जाहिर है, इन मसलों पर बैठक में चर्चा में आठ राज्यों की जनता की कोई नुमाइंदगी नहीं मिली। यह सिर्फ एक मामला है, जिसमें विपक्षी दलों ने शामिल होकर अपने विचारों से संबंधित नीतियों के दायरे को विस्तार देने के बजाय दूर रहने का रास्ता चुना। एक रिवायत जैसी हो गई है कि संसद में किसी मुद्दे या विधेयक पर चर्चा में शामिल होकर उसमें जनता का पक्ष रखने के बजाय विपक्षी दल बाहर रहने का रास्ता चुनते हैं। इससे आमतौर पर सरकार का रास्ता ही आसान हो जाता है कि अगर किसी नीतिगत फैसले या विधेयक में आम जनता का खयाल कम रखा गया है, तो भी वह बिना किसी हस्तक्षेप के पारित हो जाता है। ऐसा रुख अख्तियार करके विपक्षी दल किसका भला कर रहे हैं? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मोबाइल के लिए...

छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक अधिकारी का मोबाइल फोन बांध के पानी में गिरा तो अधिकारी के सब्र का बांध ही टूट गया। उसने पंप लगा कर पूरे जलाशय को उलीचना शुरू कर दिया। गनीमत थी कि मोबाइल मिल गया, वरना अधिकारी महोदय जलाशय को पूरा ही सुखा डालते। बताया जा रहा है कि चार हजार एक सौ चार घन मीटर यानी इकतालीस लाख लीटर पानी बहा, तब जाकर उनके मोबाइल के दर्शन हुए और फिर जाकर उनको सुकून मिला। निस्संदेह मोबाइल महंगा और महत्त्वपूर्ण रहा होगा, तभी तो अधिकारी महोदय ने उसे तलाशने में यह विवेक भी खो दिया कि इस गर्मी के मौसम में इतने पानी से कितने लोगों की प्यास बुझ सकती थी, कितने खेतों की फसलें जी उठतीं। मगर फिर बात यह भी है कि वह अधिकारी ही क्या, जो अपने अधिकार का उपयोग और दुरुपयोग न करे। बताया जा रहा है कि साहब कुछ दोस्तों के साथ उस बांध पर सैर-सपाटे के लिए गए थे। मोबाइल से आत्मछवि उतार रहे थे कि मोबाइल हाथ से फिसल कर जलाशय में लीन हो गया। बस, साहब का कोप उस जलाशय पर फूटा और उन्होंने उसे कुछ उसी प्रकार उसे सुखा डालने का संकल्प ले लिया, जैसे राम ने समुद्र को सुखाने का लिया था। बस, आनन-फानन पंप मंगाए गए और उलीच दिया गया जलाशय। जाहिर है, इससे दोस्तों पर साहब का रोब भी पड़ा होगा। जिन साहब का फोन जलाशय में गिरा था वे छत्तीसगढ़ में खाद्य निरीक्षक के पद पर तैनात थे। अब वे उस पद पर नहीं हैं। वहां के जिलाधिकारी को जब इस घटना की खबर मिली तो उन्होंने उन साहब को निलंबित कर दिया। शायद उन साहब ने सोचा भी न होगा कि जिलाधिकारी महोदया उनके इस फैसले पर इस कदर कुपित हो जाएंगी। उन्हें निलंबित करने के पीछे तर्क दिया गया है कि उन्होंने बांध का पानी उलीचने के लिए संबंधित अधिकारी से आज्ञा नहीं ली थी। उन अधिकारी महोदय के भीतर कहीं न कहीं यह भरोसा रहा होगा कि एक अधिकारी दूसरे अधिकारी के मन की पीड़ा समझता ही है, तो फिर इतने भर से काम के लिए उसे अनुमति देने-लेने की झंझट में क्यों डाला जाए। इसलिए उन्होंने उस अधिकारी की तरफ से भी खुद ही फैसला ले लिया। ऐसे फैसले तो प्रशासन में लेने ही पड़ते हैं, लिए ही जाते हैं, वरना व्यवस्था चलने ही न पाए! एक अधिकारी दूसरे अधिकारी का समर्थन न करे या अपने आप उसका समर्थन न प्राप्त कर ले, तो फिर वह काम ही कैसे करेगा। हालांकि छत्तीसगढ़ के संबंधित अधिकारी महोदय का मोबाइल तलाश अभियान प्रशासनिक अधिकारियों के अपने शक्ति प्रदर्शन का एक उदाहरण भर है। पिछले साल की ही तो बात है, जब दिल्ली के अक्षरधाम वाले खेल गांव परिसर में एक अधिकारी महोदय ने स्टेडियम में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों को इसलिए हुलकार कर निकाल दिया कि वहां उनके कुत्ते के घूमने का वक्त हो गया था। दरअसल, हमारे प्रशासनिक अधिकारियों को कार्य संस्कृति अंग्रेजी हुकूमत से विरासत में मिली है और उन्हें इस बात का अभिमान है कि उन्होंने उसे नष्ट नहीं होने दिया, बल्कि कुछ समृद्ध ही किया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ वाले अधिकारी महोदय ने जो किया वह हैरान करने वाला नहीं। इसी हनक के चलते तो अधिकारियों का आम जन पर रोब-दाब बना रहता है।

श्री पंच खंडपीठ पावन धाम होगा सनातन धर्म के श्रद्धालुओं की आस्था और वैदिक संस्कृति का केंद्र- आचार्य सोमेंद्र महाराज

महाभारत कालीन पांडवों की शरण स्थली को किया जाएगा विकसित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पंच खंड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज ने पंच खंडपीठ भीम गिरी पर्वत पावन धाम में आयोजित 108 कुंडिय श्री हरि हरात्मक महायज्ञ के दौरान कहा कि महाभारत कालीन मत्स्य प्रदेश की राजधानी रहे। पौराणिक तीर्थ स्थल विराटनगर के श्री पंच खंडपीठ भीम गिरी पर्वत पूरे विश्व के श्रद्धालुओं और सनातनियों की आस्था और वैदिक संस्कृति के प्रचार का केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि पांडवों के अज्ञातवास के दौरान शरण स्थली के रूप में रहे, ऐसे वैभवशाली इतिहास को अपने में समेटे हुए विगत वैभव के स्वरूप में पुनर्स्थापित कर इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा जहां पर युगवतार भगवान श्री कृष्ण के निर्देश पाकर उनके कृपा पात्र पांडवों ने मत्स्य प्रदेश की राजधानी विराटनगर में अपना अज्ञातवास व्यतीत करने का निर्णय लिया जिसके अंतर्गत राजा विराट के यहां युधिष्ठिर ने दरबारी बनकर कंक नाम से, भीमसेन महाराज रसोईया बनकर बल्लव नाम से, धनुर्धारी अर्जुन नृत्य शिक्षक बनकर ब्रहन्नला के नाम से, द्रोपदी महारानी सुदेष्णा की सेविका बन शैरेन्ध्री के नाम से, नकुल ग्रंथिक नामधारी अस्वाध्यक्ष, और सहदेव गो सेवक बनकर तंतिपाल नाम से रहे। सोमेंद्र महाराज ने कहा कि वो उनके पिताश्री आचार्य स्वामी धर्मेंद्र महाराज के महान लक्ष्य की पूर्ति के लिए कृत संकल्पित है।

श्री पंच खंडपीठ पावन परंपरा के तेरहवें आचार्य है सोमेंद्र महाराजः-

19 सितंबर 2022 को पूज्य आचार्य धर्मेंद्र महाराज के गोलोक गमन के उपरांत उनकी आज्ञा और इच्छानुसार 6 अक्टूबर 2022 को उनके उत्तराधिकारी के रूप में आत्माज सोमेंद्र महाराज को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ, विभिन्न हिंदू संप्रदायों, मठो, सैकड़ों आश्रमों के पूज्य प्रतिनिधि संतों की उपस्थिति में तथा विराटनगर अंचल और भारत के कोने कोने से एकत्र भक्तों के बीच विधि-विधान पूर्वक पवित्र तीर्थों के जल से अभिषेक करके श्रीमत्पंचखंडपीठाधीश्वर के पद पर विराजमान किया गया। वे इस पावन परंपरा के तेरहवें आचार्य है। इससे पूर्व इसी कुल में महात्मा गोपाल दास की 11वीं पीढ़ी में स्वामी भुरामल्ल के आत्मज के रूप में तथा माता वृद्धि देवी की कोख से मूक प्राणियों के मुक्तिदाता, परम करूणामय संत महात्मा रामचंद्र वीर का जन्म हुआ। जिन्होंने 16 वर्ष की अल्पायु में भारत भूमि की स्वतंत्रता, अखंडता, और गौ हत्या के पाप का मूलोच्छेद हो, इसी उद्देश्य से महात्मा वीर ने अन्न और लवण का सर्वथा त्याग कर देश जाति और धर्म की रक्षा के लिए उन्होंने 100 से अधिक अनशन किए। जिसमें सबसे छोटा 3 दिन का और सबसे बड़ा 166 दिन का अनशन सम्मिलित है। उसके पश्चात 10 जनवरी 1942 में अमर हुतात्मा आचार्य धर्मेंद्र महाराज का अवतरण हुआ। आचार्य स्वामी धर्मेंद्र महाराज का विराट व्यक्तित्व हिंदू संगठन में उनके अद्वितीय योगदान, श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी अविस्मरणीय भूमिका, और उनकी ईश्वर प्रदत्त दिव्य प्रतिभा युक्त रचनाओं तथा कृतियों का समुचित उल्लेख करना संभव नहीं है। जिन्होंने पूरे विश्व में हिंदुत्व की धर्म ध्वजा फहराई। यज्ञ मीडिया समन्वयक मामराज सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज द्वारा स्वामी रामचंद्र वीर गौशाला, स्वामी रामचंद्र वीर वेद विद्यापीठ, आचार्य स्वामी धर्मेंद्र महाराज वैदिक गुरुकुल, पावन धाम प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, स्वामी रामचंद्र वीर योग साधना केंद्र, महात्मा रामचंद्र वीर सनातन अध्ययन केंद्र, श्री पंच खंडपीठ परिक्रमा पथ, पांडव पैनोरमा सम्राट अशोक स्मृति उद्यान, भीम लता कुंड, हनुमान भगवान औषधि उपवन एवं पुष्प वाटिका, पावन धाम

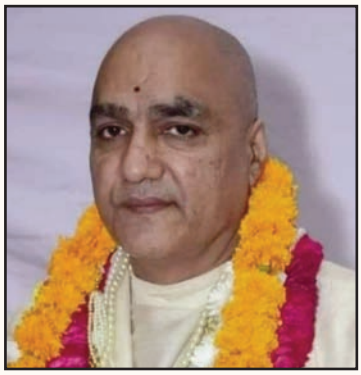

प्रसादम, भगवत भक्ति सेवा पट्टिका, जैसे महत्वपूर्ण कार्य कृत संकल्पित है। इसी के चलते भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए शिलान्यास एवं भूमि पूजन स्थल पर निमार्णाधीन मंदिर में योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण और उनके कृपा पात्र पांडव परिवार, द्रोपदी की मूर्तियों की प्रतिष्ठा तथा विशाल भीम गुफा में 11.6 फिट ऊंची श्री भीमसेन महाराज व देवी हिडिंबा की मूर्तियों की प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोचार विधि विधान से संपन्न की गई। वही श्याम बाबा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा निर्माणधीन नवनिर्मित मंदिर में की जाएगी। इसी प्रकार पावन धाम आश्रम के सत्संग भवन में श्रीमन्महात्मा रामचंद्र वीर महाराज तथा आचार्य स्वामी धर्मेंद्र महाराज की मूर्तियों को प्रतिस्ठापित किया गया। श्री पंच खंड पर्वत पर वज्रांगदेव हनुमान महाप्रभु शिखरासीन है, वंही पर्वत के मध्य पांडव कालीन प्राकृतिक गुफा में एकादश रूद्र स्वरूप में शिव भगवान की मनोहारी छटा विद्यमान है। उल्लेखनीय है कि श्री पंच खंडपीठ क्रांतिकारी धार्मिक चेतना और हिंदू संगठन की प्रेरणा के एक अद्वितीय मठ के रूप में संपूर्ण विश्व में सुविख्यात है श्री पंच खंडपीठ हिंदुओं को नवजागरण और आत्म परिष्कार का संदेश देने वाला विशिष्ट हिंदू मठ है।

मुनिश्री सुधासागर जी महाराज को टिकटोली आगमन हेतु श्रीफ़ल भेंट

मुरेना से गए प्रतिनिधि मण्डल ने किया निवेदन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेन। जैन सन्त मुनिपुंगम सुधासागर जी महाराज को टिकटोली आगमन हेतु श्रीफल अर्पित किया गया। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिपुंगम श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार चल रहा है । वर्तमान में पूज्य मुनिश्री अतिशय क्षेत्र करगुवांजी (झांसी) में विराजमान हैं । चूंकि विहार के दौरान पूज्यश्री के मुरेना से निकलने की प्रवल सम्भावना को देखते हुए अतिशय क्षेत्र टिकटोली कमेटी ने श्रीफल अर्पित करने का निर्णय लिया। गत दिवस श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र टिकटोली दूमदार (मुरेना) के अध्यक्ष राजेंद्र भण्डारी के

नेतृत्व में क्षेत्र कमेटी टिकटोली, जौरा एवं मुरेना के गणमान्य साधर्मी बन्धुओं ने करगुवाजी झांसी पहुँचकर पूज्य मुनिश्री संघ के श्रीचरणों में श्रीफल अर्पित कर टिकटोली आगमन हेतु निवेदन किया। कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र भण्डारी ने अतिशय क्षेत्र टिकटोली के अतिशय, इतिहास, अन्य सभी जानकारी एवं क्षेत्र पर चल रहे निर्माण कार्यो की जानकारी से मुनिश्री को अवगत कराया। प्रतिनिधि मंडल में शामिल सभी साधर्मी बन्धुओं ने एक स्वर में मुनिश्री से टिकटोली आगमन हेतु निवेदन किया। पूज्य मुनिश्री ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहाकि अतिशय क्षेत्र टिकटोली एवं वहां विराजमान मूलनायक श्री शान्तिनाथ भगवान दोनों ही मेरी स्मृति में हैं। मुरेना जिले का अतिशय क्षेत्र टिकटोली पुराने समय में अवश्य ही जैन धर्म का गढ़ रहा होगा। टिकटोली आगमन के संदर्भ में पूज्य मुनिश्री ने कहाकि गुरु आज्ञा शिरोधार्य है, पूज्य गुरुदेव की आज्ञा मिलने पर ही कुछ कहा जा सकता है। सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि यदि पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की स्वीकृति मिल गई तो पूज्य मुनिश्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का अतिशय क्षेत्र टिकटोली दूमदार (जौरा) मुरेना मध्यप्रदेश में अतिशीघ्र आगमन होगा। इस हेतु टिकटोली कमेटी ने आचार्य श्री विद्यासागर जी के पास जाने का निर्णय भी लिया है।

मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज को कमेटी ने किए श्री फल भेंट

अशोक नगर जैन समाज थूवोनजी कमेटी ने किया चातुर्मास का निवेदन, उपकारी का उपकार तो सभी को मानना चाहिए: श्री सुधा सागरजी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

उपकारी का उपकार तो सभी को मानना चाहिए राजा रिभष देव ने कहा था कि क्षत्रिय बनो धर्म और धार्मत्माओं की रक्षा करो। वास्तविक क्षत्रिय तो वहीं कहलाते हैं जो निर्वल असाहय की सहायता करते हैं पहले राजतंत्र था तो राजा के अनुसार राज चलता था आज प्रजातंत्र है हम अपनी योग्यता को बढ़ाकर ही राष्ट्र सेवा कर सकते हैं। नदी के दो किनारे होते हैं वह कभी मिलते नहीं हैं, नहीं कभी किसी का विरोध करते बल्कि वह नदी को बहने में सहयोगी होते हैं। नदी दो तटों के मध्य बहती चली जाती है वह रास्ते में आने वाले राहगीरों की प्यास बुझती चली जाती है वह आपसे कोई अपेक्षा नहीं रखती। ऐसे ही उपकारी को किसी से अपेक्षा नहीं रखना चाहिए। उक्त आशय के उद्गार मुनिपुगंवश्री सुधासागर जी महाराज ने पार्श्वनाथ तीर्थ क्षेत्र झांसी में जिज्ञासा समाधान को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। जैन समाज ने श्री फल कर चातुर्मास का निवेदन किया। इसके पहले अशोक नगर जैन समाज एवं दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने करगुआ तीर्थ झांसी में विराजमान आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज को अशोक नगर थूवोनजी में चातुर्मास हेतु जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई समाज के वरिष्ठ राधेलाल धुर्रा राज कुमार कासंल थूवोनजी कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा गंज मन्दिर संयोजक उमेश सिघई शैलेन्द्र श्रागर प्रदीप तारई राजेन्द्र अमन मेडिकल टिंकल एन के गार्मेंट्स मुनेश विजयपुरा महेश घंमडी सन्तोष अखाई शैलेन्द्र दद्दा जे की अखाई सचिन एनएस विक्की मनेशिया सही सभी भक्तों ने श्री फल भेंट कर चातुर्मास का निवेदन किया समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि हम सभी अभी डोंगरगढ़ तीर्थ में विराजमान संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पास गये थे और चातुर्मास हेतु निवेदन किया। आचार्य श्री से आशीर्वाद लेकर हम लोग यहां आपके श्री चरणों में श्री फल भेंट कर रहे हैं। भक्तों की प्रबल भावना है कि आपकी सेवा का मौका मिले। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि इस वर्ष योग ऐसा बना है कि दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी अशोक नगर पंचायत कमेटी गौशाला सभी कमेटियां एक मत से कार्य कर रही हैं। हम लोग वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे हैं, गत वर्ष भी आचार्य श्री ने थूवोनजी के लिए आशीर्वाद दिया था लेकिन परिस्थितियां अनुकूल नहीं बनी। हमारा ही पुण्य कम रह गया इस बार हमें सेवा का मौका मिले ऐसे सभी भक्तों की प्रबल भावना है। इस दौरान मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि हमें तो जो संकेत मिल जायेंगे हम चल देंगे आपको आचार्य श्री के पास ही जाना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के भगवान का अवतार वह होता है जहां पापी जीव बढ़ जाते हैं, पाप का नाश करने भगवान अवतार लेते हैं। वहीं जैन दर्शन की विशेषता है कि पुण्य आत्मा का उद्धार करने हमारे भगवान आते हैं। जैन दर्शन की विशेषता है कि पुण्यवन के भाग्य से ही तीर्थ कर प्रभु का जन्म होता है जैन दर्शन के भगवान वहीं जन्म लेते हैं जहां पुण्यात्मा होते हैं।

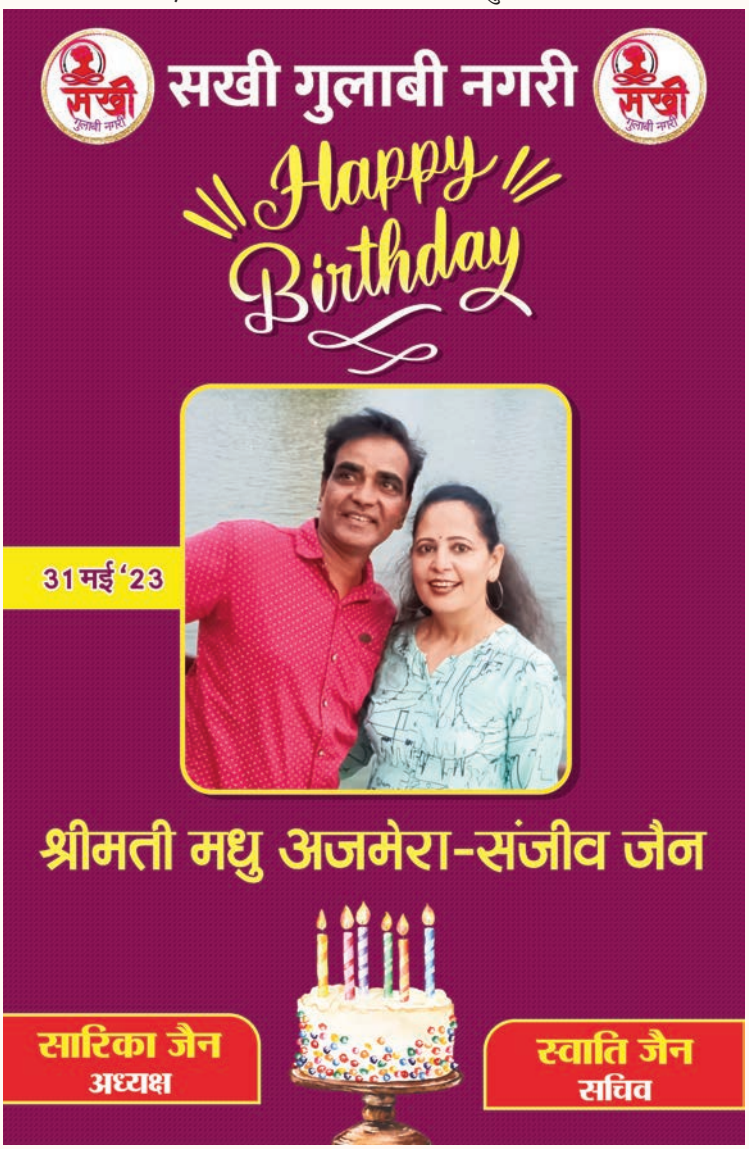

एस. एस. जैन सुबोध पी. जी. (ऑटोनोमस) कॉलेज को ग्रैंड ज्यूरी इंडिया रैंकिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

किसी भी शिक्षण संस्थान की विकास यात्रा के कुछ पल हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं और इतिहास के ललाट पर अमिट हस्ताक्षर बन जाते हैं। 27 मई 2023 सुबोध कॉलेज के लिए एक ऐतिहासिक दिन था। मौका था 2023-2024 के लिए ग्रैंड ज्यूरी इंडिया रैंकिंग अवार्ड समारोह का, जिसमें राजस्थान के एकमात्र महाविद्यालय एस. एस. जैन सुबोध पी. जी. (ऑटोनोमस) कॉलेज को भारत के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में 7वां और राजस्थान राज्य में प्रथम रैंक के सम्मान से अलंकृत किया गया, समारोह का आयोजन ''**एजुकेशन वर्ल्ड**'' द्वारा होटल रेडिसन ब्लू ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में किया गया था। उक्त रैंक देशभर से प्राप्त शैक्षणिक सर्वेक्षणों और ऑनलाइन फीडबैक के आधार पर प्रदान की जाती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. बी. शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा समाज के सभी वर्गों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए हमारा महाविद्यालय प्रतिबद्ध है, छात्रों और कर्मचारियों के प्रासंगिक विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों और ज्ञान का संचालन करने की स्वतंत्रता में वस्तुनिष्ठ विचारों को प्रमुखता दी जाती है। हम हमेशा सीखने की गतिविधियों को प्रोत्साहित और बढ़ावा दे रहे हैं और व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ उनके कौशल सिद्धहस्तता के साथ सर्वांगीण उन्नयन हेतु सतत प्रयासरत है।

वर्धमान महावीर युनिवर्सिटी का हुआ भूमिपूजन

अहमदनगर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल फेडरेशन के अथक प्रयासो से लगभग 23 एकड़ की विशाल भूमी पर साधू संतो के पावन सानिध्य मे 28 मई 2023 को शिलान्यास हुआ। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षण समिती दिल्ली के अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार जैन के करकमलो द्वारा हुआ वर्धमान महावीर यूनिवर्सिटी का भूमी पूजन हुआ। शाकाहार प्रचारक डॉक्टर कल्याणमल गंगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रसंत आचार्य महा मनीराज आनंद ऋषी महाराज का कृपा आशीर्वाद, श्रमण संघीय प्रवर्तक कुंदन ऋषि महाराज और प्रबुद्ध विचारक आदर्शऋषी और अन्य साधू / साध्वी का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। डॉ गंगवाल ने बताया कि यह मेरा सोभाग्य था श्वेताबर स्थानक वासी महान आचार्य आनंद ऋषी जी को 1972 से उनकी समाधी तक वैद्यकीय सेवा दे पाया। गुरु देव हमेशा कहा करते थे कि हम दोनो डॉक्टर हैं, तुम मेरे नश्वर शरीर के और मैं तुम्हारी शाश्वत आत्मा का। यह धर्म प्राजेक्ट जैन सोशल फेडरेशन के निगरांनी मे साकार हो रहा है। यह पुरे जैन समाज के लिये गौरव की बात है, यहां अगले साल ही इंटरनॅशनल जैन स्कूल/ फार्मसी कॉलेज/ नर्सिंग कॉलेज शुरू हो रहा है। जैन फेडरेशन द्वारा संचालित आनंद ऋषी हॉस्पिटल पिछले २० साल से सेवारत है।

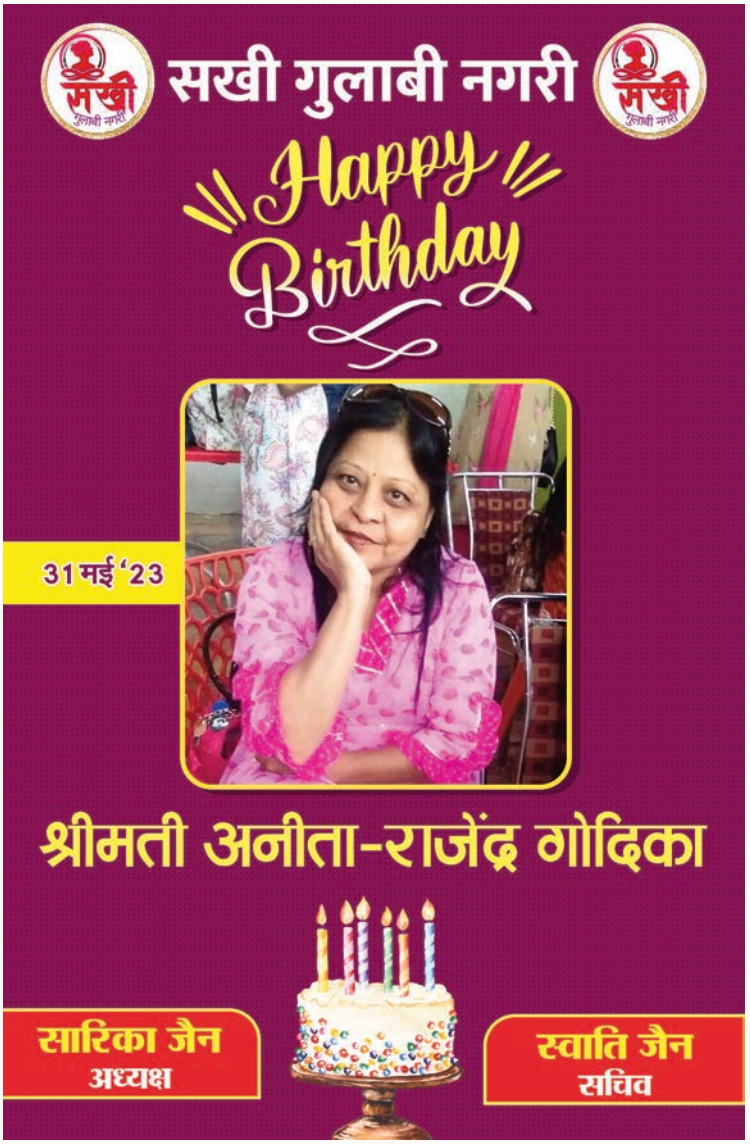

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर प्रबन्ध कारिणी कमेटी के चुनाव सम्पन्न हुये

सांगानेर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के परम शिष्य सांगानेर क्षेत्र जीर्णोद्धारक निर्यापक श्रमण परम पूज्य मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज ससंघ के आशीर्वाद से श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर की प्रबन्ध कारिणी कमेटी के चुनाव सम्पन्न हुये जिसमें निम्न पदाधिकारिया का निर्वाचन हुआः- प्रेमचन्दज जैन (बज)-परम संरक्षक, महावीर प्रसाद जैन (बज)-अध्यक्ष, सुरेश कुमार जैन (कासलीवाल)-उपाध्यक्ष, ज्ञानचन्द जैन (सौगाणी)-उपाध्यक्ष, नरेन्द्रकुमार जैन (पाण्ड्या)-मानदमंत्री, राकेश कुमार जैन (रांवका)-कोषाध्यक्ष, संजय जैन (छाबडा)- संयुक्त मंत्री, पंकज जैन (पाटौदी) - संयुक्त मंत्री, नरेन्द्र कुमार जैन (बज)- प्रभारी।

गायत्री जयंती पर लिया समरसता का संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

गायत्री जयंती पर्व मंगलवार को ब्रह्मपुरी, वाटिका और कालवाड़ स्थित गायत्री शक्तिपीठ, जनता कॉलोनी के चेतना केन्द्र सहित विभिन्न प्रज्ञा केन्द्रों में भक्तिभाव से मनाया गया। किरण पथ मानसरोवर के श्री वेदमाता गायत्री वेदना निवारण केन्द्र में गायत्री जयंती और गंगा दशहरा पर्व सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया। गायत्री परिवार राजस्थान जोन के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी उर्मिला राजोरिया, सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र राजोरिया, राजस्थान खादी बोर्ड के सचिव ब्रजेश चांदोलिया अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभी ने गायत्री परिवार द्वारा देश भर में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की। व्यासपीठ से गिरधर गोपाल आसोपा ने कहा कि जिस प्रकार गंगा शरीर का मैल साफ करती है उसी प्रकार गायत्री मन का मैल धो देती है। इसलिए प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। इससे बुद्धि निर्मल बनती है। शांतिकुंज प्रतिनिधि आर डी गुप्ता, सतीश भाटी, डॉ. प्रशांत भारद्वाज ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके पर श्रद्धालुओं को राष्ट्रीय एकता एवं समता के प्रति निष्ठावान रहने, जाति, लिंग, भाषा, प्रांत, संप्रदाय आदि के कारण परस्पर कोई भेदभाव न बरतने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में समाज के सभी प्रमुख वर्ग के लोगों ने एक साथ बैठकर हवन और भोजन किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com